Title: Raised the issue of passing the 84th Constitutional Amendment Bill on women's reservation on the ocassion of International Women's Day.

SHRIMATI GEETA MUKHERJEE (PANSKURA): Sir, today is 8th March, i.e., the International Women's Day. So, I believe that our Parliament, first of all, will extend its feelings of solidarity to the women all over the world who are fighting for the right causes.

Secondly, today a number of seminars, rallies and many things like that are being held all over India in which women are demanding many things, apart from recent demands for bringing down the prices of essential commodities, for stopping atrocities on minorities, for building strong national integrity by fighting communalism in different forms, etc. These rallies and seminars are raising the demand of passing the 84th Constitutional Amendment Bill for providing one-third reservation of seats for women in Lok Sabha and Legislative Assemblies.

Sir, I draw your attention and through you of the Government and Members of Parliament belonging to all political parties to the demand of the women all over the country to take up the same Bill in this very Session itself.

>SHRI I.K. GUJRAL (JALANDHAR): Sir, the hon. lady Member has drawn attention rightly of the House to the 8th of March being an extremely important day in our national life. I want to create an impression positively that this is not the demand only of women of India. It is a demand of all democrats of India that the women must get their due in Parliament and Legislative Assemblies, i.e., 33 per cent reservation. The issue that my worthy friend has raised, I want to join my voice with that and I hope that that voice will go unanimously from this House that this matter deserves attention so far as women's empowerment is concerned. Women are playing very vital role in our national life. Therefore, we are all for it and we stand with them. Women must be made to play a role in our national life and political life.

MR. DEPUTY-SPEAKER: Now, Shrimati Krishna Bose will speak.

... (Interruptions)

MR. DEPUTY-SPEAKER: I am on my legs.

श्री मुलायम सिंह यादव (सम्भल) : हम भी इस पर बोलेंगे। यह हमारा मामला है। ... (व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदय : आपको मैं चान्स दूंगा पर ऐसे नहीं बोलिये।

... (व्यवधान)

श्री मुलायम सिंह यादव : आप मुझे नहीं बोलने देते तो मुझे निकाल दीजिए। ... (व्यवधान)

MR. DEPUTY-SPEAKER: Please do not do that. You are a senior Member. You are a leader. If you behave like this, how can I control the House?

... (Interruptions)

उपाध्यक्ष महोदय : मुलायम जी, मैं आपको कह रहा हूं कि श्रीमती कृष्णा बोस ने नोटिस दिया है और उनका नाम लिस्ट में है इसलिए वह पहले बोलेंगी।

... (व्यवधान)

श्री मुलायम सिंह यादव : हमारी लड़ाई है इस पर ।

... (व्यवधान)

ये प्रधान मंत्री रह चुके हैं इसलिए इन्हें बुलाया, हमें नहीं बुलाएंगे? ... (व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदय : आप सीनियर लीडर हैं। क्या मैंने आपको कभी चान्स नहीं दिया?

... (Interruptions)

उपाध्यक्ष महोदय : श्री मुलायम सिंह जी, यह आप क्या कर रहे हैं। क्या मैंने कहा कि आपको बोलने का चान्स नहीं देंगे।

... (व्यवधान)

आप कम्पैल नहीं कर सकते हैं। आपको बिहेव करना आना चाहिए, आप एक सीनियर लीडर हैं। क्या मैंने आपको चान्स नहीं दिया, मैं आपको भी चान्स दूंगा। आप इस तरह से मत करिये

... (व्यवधान)

श्री लालू प्रसाद (मधेपुरा) : यह राबड़ी देवी की गरदन काटने वाले लोग हैं। यह महिलाओं को क्या प्रधानता देंगे। बैकवर्ड क्लासेज और माइनोरिटीज सोसाइटीज को जब तक प्रधानता नहीं मिलेगी, इस पर हमारी सहमति नहीं है।

... (Interruptions)

MR. DEPUTY-SPEAKER: I call Shrimati Krishna Bose to speak.

>SHRIMATI KRISHNA BOSE : Mr. Deputy-Speaker, may I ask my male colleague to hear me?..(Interruptions)

MR. DEPUTY-SPEAKER: She has given notice.

SHRIMATI KRISHNA BOSE : Mr. Deputy-Speaker, first of all, I want all my male colleagues to cooperate to at least listen to what I have to say. Shri Gujral has said that this Parliament and all democrats are supporting us but I am sorry to say that I feel that this Parliament is a male club and I feel like an unwanted intruder in a male club. I have that feeling as I stand here. I cannot even speak here. May I speak, Sir? Well, that is my feeling. ... (Interruptions)

SHRI BUTA SINGH (JALORE): Sir, she has to withdraw those words. You cannot allow those words to go on record...(Interruptions)

SHRIMATI KRISHNA BOSE : OK. I am sorry. Shall I now say what I have to say?..(Interruptions)

MR. DEPUTY-SPEAKER: Please let me know what are the words which she has used.

... (Interruptions)

MR. DEPUTY-SPEAKER: Shri Mulayam Singh Yadav, kindly listen to me. Please sit down.

... (Interruptions)

श्री बूटा सिंह : उपाध्यक्ष महोदय, इस पर सदन को ऑब्जेक्शन है

... (व्यवधान)

श्री मुलायम सिंह यादव : उपाध्यक्ष महोदय, आप इनकी क्या सुनेंगे, यह गला काटने वाले लोग हैं

... (व्यवधान)

SHRI BUTA SINGH : Sir, this is disgrace and disrespect to the Parliament...(Interruptions)

SHRIMATI KRISHNA BOSE : I am sorry if I have hurt anybody. But seeing the way things were going on, that was my feeling...(Interruptions)

श्री मुलायम सिंह यादव : हम बहुत सुन चुके हैं

... (व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदय : आपकी बात भी सुनी जायेगी, पहले उनकी बात खत्म होने दीजिए।

... (व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदय : आप इतने सीनियर लीडर हैं, आप बीच में क्यों खड़े होते हैं, यह कोई तरीका नहीं है।

श्री लालू प्रसाद : सर, जब आप खड़े होते हैं तो हम लोग डर जाते हैं ... (व्यवधान) यह दंगाई खड़े हैं

... (व्यवधान)

यह एंटी दलित हैं, एंटी माइनोरिटीज हैं

... (व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदय : ऑर्डर प्लीज।

... (Interruptions)

MR. DEPUTY-SPEAKER: Nothing will go on record.

(Interruptions)*

MR. DEPUTY-SPEAKER: Please take your seats.

... (Interruptions)

SHRIMATI KRISHNA BOSE : How can I say anything? If nobody is listening to me, then I cannot say anything....(Interruptions)

श्री लालू प्रसाद (मधेपुरा) : सर, आप खड़े होते हैं तो हम लोग डर जाते हैं ... (व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदय : अब आप क्या करते हैं ?

... (व्यवधान)

MR. DEPUTY-SPEAKER: Shri Rawale, let her be heard.

SHRIMATI KRISHNA BOSE : I want to draw the attention of the House to one or two important points. Today is Women's Day, as Shrimati Geeta Mukherjee has already said.

I know that the Government is considering a National Policy for Women which is under consideration of the Cabinet for quite sometime. Today, I would demand to know what they want to do with it. This is my first point.

Secondly, three years back, I stood here, in the same place, and asked the then Prime Minister, Shri Deve Gowda as to when the Bill for giving 33 per cent reservation to women will come and be passed.

----

* Not Recorded.

The Prime Minister promised that in that very Session itself, in early 1996, it would be passed. Now, three years have passed. Much water has flown down the Ganges. We have seen Prime Ministers coming and going. The people have elected a new Lok Sabha. I want to know when this amendment is coming and when shall we have our proper place in the policy-making arena. I tell this because we feel extremely neglected. I have expressed my feeling although it was strong. But the way people were behaving, I had to say that I felt like an unwanted person...(Interruptions) I want to know the reaction of the Government on these two counts. What is happening to the National Policy for Women and what is happening to the Amendment which was due to be passed already?

Thank you.

PROF. A.K. PREMAJAM (BADAGARA): Sir, I have give notice to raise an important issue...(Interruptions)

MR. DEPUTY-SPEAKER: I will come back to you.

>

श्रीमती भावना देवराजभाई चिखलिया (जूनागढ़) : माननीय उपाध्यक्ष जी, आज ८ मार्च, अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस है और जिस तरीके से हाउस में, खासतौर से लालू जी और मुलायम सिंह जी ने व्यवहार किया है, वह बिलकुल सराहनीय नहीं है। आप कहते हैं कि श्रीमती राबड़ी देवी जी भी महिला हैं, हम इस बात को मानते हैं और अगर कोई महिला अच्छा शासन करती है, तो सारा देश उसकी सराहना करता है और उसे स्वीकार करता है, लेकिन जिस महिला के राज में अच्छा शासन नहीं हुआ, उसकी हम सराहना नहीं कर सकते और उसे स्वीकार नहीं किया जा सकता।

उपाध्यक्ष महोदय, आज के दिन महिला अन्तर्राष्ट्रीय दिवस के अवसर पर मैं सभी महिलाओं की तरफ से देश के प्रधान मंत्री श्री अटल बिहारी वाजपेयी का अभिनन्दन करती हूं क्योंकि महिलाओं के लिए अटल जी ने अपने नेतृत्व में बहुत सारे ऐसे निर्णय किए हैं और करने जा रहे हैं जिनके कारण सम्मान जनक रूप से इस देश में महिलाएं जी सकती हैं। मैं आपके माध्यम से स्पष्ट कहना चाहती हूं कि आज के दिन महिलाओं को आर्थिक दृष्टि से समर्थ बनाने के लिए महिला विकास बैंक की स्थापना, महिला उद्यमियों को प्रोत्साहन की योजना और महिलाओं के लिए पार्ट-टाइम जॉब के लिए सकारात्मक रूप से विचार करने की बात अटल जी ने कही है। इसके लिए मैं उनकी सराहना करती हूं।

उपाध्यक्ष महोदय, इस सदन में महिलाओं के लिए ३३ प्रतिशत आरक्षण का बिल पूर्व में ही प्रस्तुत किया जा चुका है, लेकिन अभी तक पास नहीं किया गया है। इसलिए मैं आज महिला अन्तर्राष्ट्रीय दिवस के अवसर पर अपने सभी सांसद भाइयों से अपील करती हूं कि उसे सर्वसम्मति से पारित किया जाए। धन्यवाद।

>

श्री मुलायम सिंह यादव : उपाध्यक्ष महोदय, मेरी आपसे एक प्रार्थना है कि आप कभी गुस्सा न करें। कभी टैंशन मत रखिये।

... (व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदय : जीरो ऑवर में थोड़ी टैंशन तो होनी चाहिए।

श्री मुलायम सिंह यादव (सम्भल): उपाध्यक्ष महोदय, जहां तक महिला दिवस का सवाल है तो मैं सारे हिन्दुस्तान और सारी दुनिया की महिलाओं को इसकी शुभकामनायें देता हूं। वे तरक्की करें, आगे बढ़ें और उनको उनका हक मिले। जहां तक महिला आरक्षण का सवाल है तो मेरी राय यह है कि आज हमें इस विवाद में नहीं पड़ना चाहिए। जब महिला दिवस मनाया जा रहा है तो हमारी भी उनको शुभकामनायें हैं। इसको विवाद में नहीं डालना चाहिए। जहां तक महिला आरक्षण का सवाल है तो शुरू से लेकर आज तक हम प्रधान मंत्री जी से दो बार मिले और उनको चिट्ठी भी लिखी। हमारी स्पष्ट राय है कि इस विधेयक का जो वर्तमान स्वरूप है, उसको उसी तरह से पास करने से हमारे देश के अंदर जो अल्पसंख्यक हैं विशेषकर मुसलमान हैं, दलित हैं, पिछड़े हैं, उनके साथ गैरबराबरी होगी।

उनका और अधिक शोषण व अपमानजनक जीवन होगा इसलिए हमारी शुरू से यही राय है कि वर्तमान विधेयक तब तक नहीं आना चाहिए जब तक अल्पसंख्यक, दलित, पिछड़े विशेषकर मुसलमानों की जनसंख्या के अनुसार उनकी महिलाओं को आरक्षण मिले।

दूसरा हमारा यह कहना है कि जहां से लोकतंत्र आया है, हम महिलाओं के आगे बढ़ने के विशेष अवसर की नीति को इस सदन में कहना चाहते हैं कि हमारी समाजवादी पार्टी ने आज से नहीं बल्कि १९५४ से ही अमेरिका और इंग्लैंड की महिला आरक्षण की नीति का अनुसरण किया है। अमेरिका और इंग्लैंड की पार्लियामैंट में अभी तक नौ फीसदी से ज्यादा निरक्षर महिलायें नहीं आ सकी हैं। हमारे यहां जो निरक्षर महिलायें हैं, दलित हैं, गरीब हैं, दबी-कुचली हैं, वे इस सदन में वर्तमान विधेयक के चलते नहीं आ सकती हैं। मैं महिलाओं के ३३ फीसदी आरक्षण के पक्ष में नहीं हूं। इसे कम किया जाये। इसे ज्यादा से ज्यादा १० फीसदी किया जाये।

श्री गुजराल साहब अभी खड़े हुए थे। जब वे प्रधान मंत्री थे तब भी हमने इसका डटकर विरोध किया था।

... (व्यवधान)

आप जानते हैं क्योंकि आप उस समय यहां थे। हमारी संयुक्त मोर्चा सरकार के प्रधानमंत्री श्री देवेगौड़ा थे तब भी हमने इस हाउस के अंदर अपने साथियों को खड़ा करके जो नहीं करना चाहिए था, उस वक्त भी कराने की कोशिश करवाई थी। इसलिए हम चाहते हैं कि इस विधेयक को तब तक नहीं आना चाहिए जब तक मुसलमान, पिछड़े, दलित और अल्पसंख्यकों चाहे ईसाई ही क्यों न हो , उनका आरक्षण न हो। अभी तक जो अध्ययन किया गया है कि बाद में संशोधन किया जायेगा, वह संशोधन नहीं हो सकता है। वह धोखा है, चतुराई है। पिछड़े और अल्पसंख्यकों के बारे में संविधान के अंदर कोई प्रवाधान नहीं है। हम संशोधन दे भी देंगे तो वह संशोधन अमल होगा, इसमें शक है। आप बताइये क्योंकि आप खुद भुक्तभोगी हैं। आज आधे हिन्दुस्तान में से कोई भी मुसलमान लोक सभा का सदस्य नहीं है।

आज गुजरात, राजस्थान, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, पंजाब, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश आदि आधे हिन्दुस्तान में से एक भी मुसलमान लोक सभा में नहीं है। ... (व्य वधान) हमारी राय है कि इस विधेयक को पेश नहीं किया जाना चाहिए।

... (व्यवधान)

वर्तमान नौकरशाही के चलते दूसरे दल की सरकार बनने पर, एक-दूसरे को नीचा दिखाने के लिए सीट आरक्षित कर दी जाएगी। हमारी राय है कि इसका अधिकार पार्टी को मिलना चाहिए, चुनाव आयोग को अधिकार नहीं देना चाहिए। पार्टी को अधिकार देना चाहिए कि कितना आरक्षण है और महिलाओं को कहां आरक्षण देना है। यदि कोई पार्टी उसका पालन न करे तो उस पार्टी की मान्यता खत्म कर दी जाए, इसमें ऐसा प्रावधान कीजिए। इलैक्शन कमीशन को आरक्षण का अधिकार नहीं मिलना चाहिए, यह हमारी राय है। जब तक इस विधेयक में संशोधन नहीं होता तब तक हम इसका हर तरह से विरोध करेंगे।

... (व्यवधान)

SHRI SOMNATH CHATTERJEE : Sir, I would like to speak. Please allow me. ... (Interruptions)

श्री चन्द्रमणि त्रिपाठी (रीवा): उपाध्यक्ष महोदय, हमारा भी नाम है। ... (व्यवधान) यदि इस प्रकार बहस होगी

... (व्यवधान)

मैं दस दिन से शून्य काल में नोटिस दे रहा हूं।

... (व्यवधान)

श्री गौरी शंकर चतुर्भुज बिसेन (बालाघाट) : उपाध्यक्ष महोदय, एक सप्ताह से शून्य काल में मेरा नाम नहीं आया है।

... (व्यवधान)

आप व्यवस्था दीजिए।

... (व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदय : मैंने उनको बुलाया है, आपको भी बुलाऊंगा, आप बैठिए।

... (व्यवधान)

MR. DEPUTY-SPEAKER: Will you please resume your seat?

... (Interruptions)

MR. DEPUTY-SPEAKER: Shri Gopal, I have called him.

>SHRI SOMNATH CHATTERJEE : I wholly endorse what Shrimati Geeta Mukherjee has said on the floor of the House. This is an important day. There are many many issues concerning women. And it needs the support of the entire country. Obviously, the House, representing the country, should express its views very articulately and very seriously and action should be taken.

With regard to the Reservation Bill, we know that different parties have different views. I am entitled to hold my view that it should be passed as it is framed. Let the parties, respectively, express their views. The House will have to take a decision at the appropriate time. Therefore, this is not the occasion. I am not trying here to take the House in saying why it should be passed as it is.

The very important issue today is that the question of our women in this country is very important as also the question of parliamentary democracy in this country. What has happened in Bihar? What action was taken by this Government? The Proclamation was brought here with great bravado and with great gusto, it was passed. What was not represented? It represents the views of the people of this country as if under the Constitution, the Rajya Sabha has no relevance. Therefore, today, knowing all the time that they have no majority in the House - in Rajya Sabha, they cannot get it passed - they have been spreading all sorts of feelers and going to court for taking action. Even the Prime Minister had to go and invite the Leader of the Congress Party. ... (Interruptions) I have a right to say.

SHRI RAM NAIK : Sir, What is this?......(Interruptions)

SHRI SOMNATH CHATTERJEE : This Government has run away like a cringing coward (Interruptions)

श्रीमती सुमित्रा महाजन (इंदौर) : उपाध्यक्ष महोदय, मैं जानना चाहती हूं कि क्या यह ईशू चर्चा में है?

... (व्यवधान)

SHRI RAM NAIK: Does it pertain to the issues of women? We never objected to speaking relevantly. ... (Interruptions) He has to confine himself to the subject. ... (Interruptions) How can he transgress the subject? ... (Interruptions)

MR. DEPUTY-SPEAKER: Shri Somnathji, please speak on the subject.

... (Interruptions)

SHRI SOMNATH CHATTERJEE :

Therefore, it was a black day for the parliamentary democracy in this country. ... (Interruptions)

SHRI RAM NAIK: Sir, what is this? ... (Interruptions)

SHRI SOMNATH CHATTERJEE : Sir, this Government has run away. We want to condemn the anti-democratic attitude of this Government. ... (Interruptions) They should resign if they have any prestige. ... (Interruptions)

SHRI AJIT KUMAR PANJA :You did not properly cooperate ... (Interruptions)

श्रीमती भावना कर्दम दवे : आज महिला दिवस पर महिलाओं के साथ मजाक हो रहा है। इस विषय पर इस तरह से ये लोग बोलते हैं।

... (व्यवधान)

SHRI VARKALA RADHAKRISHNAN (CHIRAYINKIL): Sir, I have given a notice. ... (Interruptions)

MR. DEPUTY-SPEAKER: Shri Varkala Radhakrishnan, will you please resume your seat?

... (Interruptions)

(Interruptions)

MR. DEPUTY-SPEAKER: Now, I call Shrimati Sumitra Mahajan to speak.

... (व्यवधान)

श्रीमती भावना देवराजभाई चिखलिया : आप बैठिये, महिलाएं बोल रही हैं।

श्रीमती भावना कर्दम दवे : कुछ तो महिलाओं का सम्मान करो, आज के दिन तो सम्मान करो।

... (व्यवधान)

MR. DEPUTY-SPEAKER: I have called Shrimati Sumitra Mahajan to speak. Nothing will go on record except what Shrimati Sumitra Mahajan says.

(Interruptions)*

MR. DEPUTY-SPEAKER: What is going on here? Please ask this Member to go to his seat.

... (Interruptions)

MR. DEPUTY-SPEAKER: Order please.

>

श्रीमती सुमित्रा महाजन : माननीय उपाध्यक्ष जी, मुझे थोड़ा दुख हो रहा है। सोमनाथ दादा जैसे जिन लोगों से हम रूल सीखते हैं, मुझे ऐसा लगा था कि वे अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर गीता दीदी की बात का और समर्थन करने के लिए खड़े हैं, लेकिन बीच में जिस तरीके से बात हुई, उससे मुझे थोड़ा सा दुख हुआ, क्योंकि हम इन्हीं लोगों से सीखते हैं।

... (व्यवधान)

उन्होंने एक प्रकार से मंत्री की बात पर आज जो चर्चा छेड़ी, वह नहीं छेड़नी चाहिए थी, ऐसा मुझे लगता है।

----

* Not Recorded.

आज अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस है, मेरा यह मानना है कि ऐसा नहीं है कि> >>आज महिला दिवस है, इसलिए महिलाओं के सम्मान की कुछ बात कहें। वास्तव में अच्छी तरह से इस पर चर्चा होनी चाहिए थी, लेकिन उसमें भी जिस प्रकार से खलल डाला जा रहा है, वह एक दुखदायक बात है।

उपाध्यक्ष महोदय, मैं आज इस महिला दिवस के उपलक्षय में प्रधान मंत्री जी को भी धन्यवाद देना चाहूंगी कि उनके मन में महिलाओं के लिए सम्मान है। जिस दिन उन्होंने प्रधान मंत्री पद की शपथ ली थी, उसके तुरंत बाद उन्होंने सम्पूर्ण देश की महिलाएं शिक्षित बनें, समझदार बनें, इस बात को दृष्टि में रखते हुए महिलाओं को सभी प्रकार की शिक्षा फ्री देने का, उच्च शिक्षा तक फ्री दिए जाने का ऐलान किया था। इतना ही नहीं उनको व्यावसायिक शिक्षा देने के बारे में भी सोचने की बात जो कही थी, मैं चाहूंगी कि सरकार इस बारे में जल्द ही कुछ योजना लाए। इसी प्रकार महिलाओं के आत्मसम्मान और सुरक्षा की दृष्टि से जो भाव हमारे प्रधान मंत्री जी के मन में है, इस सदन में भी कई बार इस बात की चर्चा हो चुकी है। जब-जब भी दो जातियों में या कहीं भी झगड़े होते हैं तो वास्तव में भुगतना स्त्री को ही पड़ता है, अत्याचार होता है तो उस जाति की महिलाओं पर ही होता है, मातृत्व पर आघात होता है, इस बात को दृष्टि में रखना चाहिए। इसीलिए प्रधान मंत्री जी ने और गृह मंत्री जी ने जो यह बात बार-बार कही है कि बलात्कारियों को फांसी तक की सजा दी जानी चाहिए, मैं उनका इस बात के लिए अभिनन्दन करना चाहती हूं। मैं चाहूंगी कि महिलाओं के हित में जो कानून हैं, उनके बारे में सोचा जाए और आवश्यक संशोधन किए जाएं तथा महिलाओं के लिए ३३ प्रतिशत आरक्षण वाला जो बिल है उसके बारे में भी सोचा जाए। ... (व्यवधान)

MR. DEPUTY-SPEAKER: Do not make any running commentary. Let her speak. Why are you interrupting her?

श्रीमती सुमित्रा महाजन : उपाध्यक्ष महोदय, मैं केवल इतना ही निवेदन करना चाहूंगी कि ३३ प्रतिशत आरक्षण देकर हम इतना ही चाहते हैं कि निर्णय की प्रक्रिया में महिलाओं का भी ज्यादा से ज्यादा सहभाग हो। हो सकता है इस पर किसी के विचार अलग हों, लेकिन बिल पर चर्चा के समय वे उसमें संशोधन दे सकते हैं। अगर मित्रता के नाते, सर्वानुमति से यह बात हो जाती है तो महिलाओं का सम्मान रखने के लिए जो हम अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस मना रहे हैं, उसको मनाने में ज्यादा खुशी होगी।

मेरा पूरे सदन से निवेदन है कि महिलाओं को कृपया जाति में न बांटे। स्त्री की एक ही जाति होती है और वह मातृत्व की जाति होती है। वैसे भी स्त्री देश में पिछड़ी हुई है, उस पर अत्याचार हो रहे हैं, वह आगे नहीं बढ़ पा रही है। इसलिए निर्णय की प्रक्रिया में अधिकार दिलाने की दृष्टि से अगर कोई महिला बात करती है तो वह पूरे महिला समाज की बात करेगी। इस सदन में भी अगर वह बोलने के लिए खड़ी होगी तो मुस्लिम, दलित या अगड़े-पिछड़े की बात न करके पूरे स्त्री समाज की बात करेगी। इसलिए जब वह प्रतिनिधित्व करेगी तो पूरे महिला समाज का करेगी। मेरा पूरे सदन से निवेदन है कि इस दृष्टि से इस पर सोचें और महिलाओं के लिए ३३ प्रतिशत आरक्षण वाले बिल पर भी सर्वानुमति होनी चाहिए।

>

श्री चन्द्रशेखर (बलिया) (उ.प्र.): उपाध्यक्ष जी, आज अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस है। महिलाओं के लिए जितना भी किया जाए, वह कम है। मैं बधाई दूंगा सरकार को कि इन्होंने बहुत अच्छी इच्छा व्यक्त की है महिलाओं को शिक्षा देने के लिए और उनके उत्थान के लिए। मैं उस पर नहीं जाऊंगा कि यह कितनी क्रियान्वित होगी, यह तो अगले एक साल में देखा जाएगा। उसके लिए जो श्रीमती महाजन ने बधाई दी है प्रधान मंत्री जी को, मैं भी देता हूं। लेकिन दो बातें मैं और कहना चाहता हूं। अभी मुलायम सिंह जी ने जो बातें कहीं, उनका अपना महत्व है। उनकी भावनाओं को भी समझना चाहिए। यह भी समझना चाहिए कि अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के दिन हम लोग एक राष्ट्रीय कार्यक्रम, जो अपने में अनोखा है, लागू करना चाहते हैं। मैं अपने मित्र गुजराल जी से पूछ रहा था कि जिस दिन आप यह बिल यहां लाए थे, उस दिन आपने क्या सोचकर ऐसा किया था, क्योंकि थोड़ा बहुत दुनिया के बारे में मुझे भी ज्ञान है, मैं दुनिया के देशों में ज्यादा नहीं गया हूं, लेकिन भारत निराला देश होगा।

जहां इस तरह का बिल पार्लियामेंट में लाया जाएगा और क्यों लाया जा रहा है, इसका कारण हमारे मित्र गुजराल साहब को भी नहीं मालूम है। उन्हें सिर्फ यह मालूम है कि उस समय कोई कोर कमेटी थी, उसने कहा कि यह बिल ले आओ और उसी दिन उसको सर्वसम्मति से पास कर दो। उमा भारती जी आज यहां हैं या नहीं, उन्होंने भी उस दिन यही सवाल उठाया था जो आज मुलायम सिंह जी उठा रहे हैं

... (व्यवधान)

मैं कहना चाहता हूं लोगों के मन में शंका है। जो गरीब, पिछड़े, दलित और अल्पमत के लोग हैं, उनकी महिलाएं ज्यादा पिछड़ी हुई हैं। चुनाव आज जिस तरह से हो रहे हैं, उनका भी हमें रूप मालूम है, इसलिए हम समझते हैं कि उनका इतना प्रतिनिधित्व इस सदन में कम हो जाएगा, इसलिए यह भेद मत पैदा करें। यह सही है कि पिछड़े और अगड़ों में इस सदन में अंतर नहीं करना चाहिए। मैं सुमित्रा महाजन जी से यह कहूंगा कि पुरुषों और औरतों में अंतर करना भी उतना ही बुरा है जितना इस तरह की बातें करना बुरा है। इसलिए मैं कहना चाहता हूं कि यह जो बिल लाया गया, बिना सोचे-समझे, बिना जाने-बूझे और केवल भावनाओं, जज़बातों में बहकर लाया गया। इसके क्या परिणाम होंगे, उसके बारे में कभी नहीं सोचा गया। अगर कोई माननीय सदस्य यह बता दे कि दुनिया के किसी देश में क्या एक तिहाई रिजर्वेशन महिलाओं के लिए किया गया है?

... (व्यवधान)

श्रीमती सुमित्रा महाजन : हम अपने देश में तो आरक्षण की बात करते हैं। ... (व्यवधान)

श्रीमती भावना कर्दम दवे : क्या हम दूसरे देशों का अनुकरण ही करते रहेंगे या फिर अपनी प्रतिभा को सम्पन्न करेंगे?

... (व्यवधान)

SHRI BASU DEB ACHARIA : I have given a notice.

SHRI PRITHVIRAJ D. CHAVAN (KARAD): Sir, I will take only one minute.

MR. DEPUTY-SPEAKER: Shri Motilal Vora.

(Interruptions)

MR. DEPUTY-SPEAKER: Shri Basu Deb Acharia, how can I control all of you together simultaneously? Is it possible? Tell me.

... (Interruptions)

श्री दादा बाबूराव परांजपे (जबलपुर) : उपाध्यक्ष महोदय, पूरा सत्र हो गया। एक कागज देता हूं।

... (व्यवधान)

आज तक मौका नहीं मिला, नए सदस्यों के साथ आम तौर

पर यही हो रहा है। इस सदन में कुछ लोग ही बोलते रहते हैं, इसके बारे में भी विचार होना चाहिए।

... (व्यवधान)

MR. DEPUTY-SPEAKER: Will you please resume your seat? I have given the floor to Shri Motilal Vora.

... (Interruptions)

MR. DEPUTY-SPEAKER: If you question the authority this will happen.

Please resume your seat.

... (Interruptions)

श्री दादा बाबूराव परांजपे : बाकी लोग बोल भी नहीं पाते हैं।

... (व्यवधान)

इस पर आपको विचार करना पड़ेगा। जितने लोगों की यहां पर बोलने की ठेकेदारी हो गई है, वे ही बोलते हैं। बाकी लोग शाम तक नहीं बोल पाते हैं, यह मेरा कहना है। ... (व्यवधान)

MR. DEPUTY-SPEAKER: Will you please resume your seat? I have given the floor to Shri Motilal Vora.

... (Interruptions)

श्री एच.पी.सिंह (आरा): सैशन चलाने वाले दोनों मंत्री जी यहां बैठे हैं और वहां सारे भारते के लोगों को महिला दिवस पर बधाई दी जा रही हैं और महिलाओं पर अत्याचार हो रहे हैं।

... (व्यवधान)

MR. DEPUTY-SPEAKER: It will not go on record. (Interruptions)*

MR. DEPUTY-SPEAKER: Nothing will go on record.

(Interruptions) *

>

श्री मोतीलाल वोरा (राजनांदगांव): उपाध्यक्ष महोदय, आज अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर मैं अपनी बहिनों को मुबारकबाद देता हूं। दुनिया में सारी महिलाएं संगठित होकर रहें, आज इस अवसर पर मैं कहूंगा कि महिलाओं को सुविधाएं मिलनी चाहिए। जो महिलाएं अत्याचार से पीड़ित हैं, उनके ऊपर जिस प्रकार के अत्याचार होते हैं, उसके लिए हमें देश के अंदर इस प्रकार का कानून बनाना चाहिए कि महिलाओं पर अत्याचार करने वालों के विरुद्ध कड़ी से कड़ी कार्रवाई होनी चाहिए।

13.00 hrs.

माननीय मंत्री जी और आडवाणी जी ने हाल ही में इस बात को कहा है कि जो महिलाओं के साथ दुर्वयवहार करते हैं या बलात्कार की घटनाएं होती हैं, उन्हें फांसी की सजा दी जानी चाहिए। उन्होंने जो कुछ कहा है मैं समझता हूं कि जब तक वह कानून के रूप में नहीं आएगा तब तक इस प्रकार की घटनाएं बढ़ती जाएंगी और सब लोग कहते ही रहेंगे। धन्यवाद।

... (व्यवधान)

श्री एच.पी.सिंह : महोदय, मैं अध्यक्ष जी को बहुत पहले चिट्ठी दे चुका हूं। ... (व्यवधान)

MR. DEPUTY-SPEAKER: This is not the way. Please resume your seat.

... (Interruptions)

श्री एच.पी.सिंह : महोदय, हमारा यह कहना है कि जैसे अन्य भाषाओं का ट्रांसलेशन हो रहा है उसी तरह से भोजपुरी का भी ट्रांसलेशन हो।

... (व्यवधान)

* Not Recorded

MR. DEPUTY-SPEAKER: Shri, H.P. Singh, this is not the way. You should not behave like this. The Minister of Parliamentary Affairs should control his Member.

यह क्या हो रहा है?

... (Interruptions)

श्री वीरेन्द्र सिंह (मिर्जापुर): महोदय, यह अपनी भाषा के लिए लड़ रहे हैं। ... (व्यवधान) यह भोजपुरी बोल रहे हैं।

उपाध्यक्ष महोदय : भोजपुरी बोलने से क्या होगा?

श्री एच.पी.सिंह : महोदय, हिन्दुस्तान में तमाम जगह भोजपुरी में बात की जाती है।

... (व्यवधान)

MR. DEPUTY-SPEAKER: Shri, H.P. Singh, I will take extreme step against you. This is not the way.

... (Interruptions)

श्री वीरेन्द्र सिंह (मिर्जापुर): महोदय, इन्हें अपनी भाषा के प्रति इतनी पीड़ा है।

... (व्यवधान)

यहां भोजपुरी नहीं बोली जाती है इसलिए यह कह रहे हैं। ... (व्यवधान)

SHRI LALU PRASAD : Bhojpuri is the mother of Hindi. (Interruptions).

>MR. DEPUTY-SPEAKER: Now it is over. Shri P.R. Kumaramangalam.

SHRI DADA BABURAO PARANJPE : Only one minute, Sir.

MR. DEPUTY-SPEAKER: No one minute. Nothing will go on record now.

(Interruptions)*

MR. DEPUTY-SPEAKER: This is Zero Hour, not matters under rule 377.

(Interruptions) *

MR. DEPUTY-SPEAKER: Now, Shri Kumaramangalam.

----

* Not Recorded.

THE MINISTER OF POWER, MINISTER OF PARLIAMENTARY AFFAIRS AND MINISTER OF NON-CONVENTIONAL ENERGY SOURCES (SHRI P.R. KUMARAMANGALAM): Mr. Deputy-Speaker, Sir... (Interruptions)

SHRI BUTA SINGH (JALORE): Sir, let the Government hear this side also...(Interruptions). Let us also be heard. Give us some time ... (Interruptions). Give us half-a-minute. Let us also be heard, Sir...(Interruptions)

इंडिपेंडेंट मैम्बर के लिए भी टाइम होता है।...(**Interruptions**).

Sir, the House is unanimous on the issue of upholding the liberty of women. Women can play a vital part in our national politics. Whereas we wholeheartedly support the demand of the hon. women Members, at the same time, let me also bring to the notice of this hon. House that the women belonging to Backward Classes, Scheduled Castes, Scheduled Tribes and Minorities must be given a special place of respect. In the capital city of Delhi, the Scheduled Caste and Scheduled Tribe boys studying in the Guru Teg Bahadur Medical College have been beaten. They are on war path. They are sitting on hunger strike. Nobody is listening to them, neither the police, nor the Delhi Administration, nor this Government. They must be protected. The boys and girls belonging to Scheduled Castes and Scheduled Tribes in the Guru Teg Bahadur Medical College are on fast. They have been beaten simply because they belong to Scheduled Castes and Scheduled Tribes. This is the most heinous crime in the capital city of Delhi. They must be listened to and the Government must take steps to redress their grievances.

>

श्री शिवराज वी.पाटील (लाटूर) : उपाध्यक्ष महोदय, आज हमें इस बात को नहीं भूलना चाहिए कि हम संसार की आधी मानव संख्या के प्रति अपना आदर व्यक्त करने के लिए यह दिन मना रहे हैं। हमारे देश में और संसार में भी महिलाओं का आदर किया जाता है, महिलाओं के प्रति प्रेम की भावनाएं व्यक्त की जाती हैं। इसमें कोई दो राय नहीं हैं। मगर हमारे देश में और संसार में भी जब महिलाओं को अधिकार देने की बात की जाती है तो सब के सब पीछे हट जाते हैं। यहां तक कि कुछ महिलाओं का भी उनको समर्थन नहीं मिलता है। कुछ पुरुष आगे जरूर आते हैं लेकिन बहुत सारे ऐसे कारण दे देते हैं जिनका एक ही उद्देश्य होता है कि आदर मिले, प्रेम मिले लेकिन उनको अधिकार न मिलें - इस बात को भी हमें इस दिन ध्यान में रखना पड़ेगा। यह शताब्दी अधिकार देने वाली शताब्दी है। जो स र्वसाधारण लोग हैं, समाज के अंदर कमजोर लोग हैं, उनको अधिकार देने वाली यह शताब्दी है। यह शताब्दी हमारी माताओं, बहनों और बेटियों को अधिकार देने वाली शताब्दी है। इसलिए हमारे भाई लोग कुछ ऐसे कारण बताकर पीछे न हटें जिसकी वजह से लोग यह न कहें कि दिल में बात एक है और दूसरी तरह से यहां पर रखने की यह कोशिश कर रहे हैं। मैं बड़े आदर से यहां पर कहना चाहता हूं कि बहुत ही सोच-समझकर कहने वाले, दूरदृष्टि रखने वाले नेता हैं, उनकी बातों को काटना बड़ा मुश्किल है। उनकी बात काटते समय या उनके खिलाफ कहते समय मन में दुख होता है। इसलिए पहले ही हम क्षमा-याचना करना चाहते हैं।

मगर यहां पर कहा गया कि संसार में ऐसी कोई चीज नहीं हुई है, इसलिए यहां पर क्यों होना चाहिए? क्या हम दूसरों के पीछे ही चलते रहेंगे? क्या हम दूसरों को कोई रास्ता नहीं बताएंगे? अगर संसार में कहीं नहीं हुआ है तो क्या हमारे देश में वह बात नहीं होनी चाहिए? हमारे देश की कोई बात हो और दूसरे लोगों ने अगर उसे अपनाया तो उसमें कौन सी बुरी बात है? दक्षिण एशिया ने बताया कि सबसे पहले हिन्दुस्तान में महिला प्राइम मिनिस्टर हुई और वह श्रीलंका, पाकिस्तान और बंगलादेश में भी हुई। यहां महिला पार्टी अध्यक्ष और प्राइम मिनिस्टर हुई हैं। यहां महिला प्रधान मंत्री और अध्यक्ष दूसरी जगहों के मुकाबले कहीं ज्यादा संख्या में हुई हैं। क्या हमें यह चीज नहीं अपनानी चाहिए?

हम जानते हैं कि मुख्यमंत्री भी महिलाएं हैं। महिला मुख्यमंत्री और प्रधान मंत्री ने अपने-अपने तरीके से यहां काम किया। एक सवाल यह पूछा और उठाया जा रहा है कि क्या ऐसा होने पर पिछड़ी जाति की महिलाओं को हिस्सा मिलने वाला है? मैं आपसे पूछना चाहता हूं कि जो पिछड़ी सो-कॉल्ड बैकवर्ड क्लासेज की महिलाओं की बात की जा रही है तो सो-कॉल्ड मैन के बारे में भी कहा जाए। कितने फारवर्ड क्लास के लोग और जैंटलमैन यहां चुन कर आते हैं? फारवर्ड क्लास की महिला हो या जैंटलमैन हो, वे टिकट मांग सकते हैं और चुनाव लड़ सकते हैं लेकिन फारवर्ड क्लास के वोट देने वाले लोगों की संख्या ज्यादा नहीं है। वोट देने वालों में बैकवर्ड क्लास के लोगों की ज्यादा संख्या है। वोट देने वालों में बैकवर्ड क्लास के लोगों की संख्या ज्यादा होने से बैकवर्ड क्लास के लोग ही चुन कर आ जाएंगे और फारवर्ड क्लास के चुन कर नहीं आएंगे। हमें यह बात ध्यान में रखनी पड़ेगी।

श्री रघुवंश प्रसाद सिंह (वैशाली): इसका बंटवारा हो जाए।

... (व्यवधान)

इसका हिसाब होना चाहिए। हम यह बात बर्दाश्त नहीं करेंगे।

... (व्यवधान)

MR. DEPUTY-SPEAKER: Shri Raghuvansh Prasad Singh, please do not interrupt.

... (Interruptions)

MR. DEPUTY-SPEAKER: Nothing will go on record except what Shri Shivraj V. Patil speaks.

(Interruptions) *

श्री शिवराज वी. पाटील : पूछा जाता है कि इसके पीछे क्या लॉजिक है? लॉजिक यह है कि जो सामाजिक न्याय की बात कर रहे हैं, वे अपनी बहनों, बेटियों, मां और अर्दधांगिनी को सामाजिक न्याय नहीं देते हैं। ऐसे में वे किस सामाजिक न्याय की बात करते हैं। वे अपने घर वालों को सामाजिक न्याय नहीं देते हैं और बाहर के लोगों को सामाजिक न्याय देने की बात करते हैं। ऐसी चीजों पर कौन भरोसा करने वाला है? अगर आपको नहीं करना है तो मत करिए लेकिन समाज और देश को बांटने की कोशिश मत कीजिए। अगर आपने महिलाओं को बांट कर इस प्रकार से टिकट दिए तो जैंटलमैन को किस आधार पर नहीं कहने वाले हैं। हाई कोर्ट और सुप्रीम कोर्ट जाने के बाद किस आधार पर नहीं देने वाले हैं। क्या आपका संविधान सैकुलर रहने वाला है? आप कह दें कि हमें यह नहीं करना है। यहां आप कह दीजिए कि आपको यही डर है कि महिलाओं को अधिक संख्या में सीटें देने के बाद हमारी सीटें चली जाएंगी। अगर ऐसा डर है तो वह डर खत्म करने की दवा लोगों और सोचने वालों के पास है। वे उसे देंगे और इसे करेंगे। आप इस डर को छुपाने के लिए सामाजिक न्याय की बात कर रहे हैं तो मेरी दृष्टि से ऐसा करके आप खुद को धोखा दे रहे हैं और दूसरों को धोखा दे रहे हैं।

----

* Not Recorded

मैं अंत में इतना ही कहना चाहता हूं कि अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर समाज के आधे हिस्से के लोगों को अगर न्याय देने के लिए आगे नहीं आए तो दूसरों को न्याय देने की बात पर लोग बहुत कम भरोसा करेंगे, ऐसा मुझे लगता है। ... (व्यवधान)

श्री लालू प्रसाद (मधेपुरा) : उपाध्यक्ष महोदय, हम लोगों को भी यह मामला उठाने की इजाजत दी जाए।

... (व्यवधान)

>SHRI AJIT KUMAR PANJA : So far, the debate that is taking place in this House is about today being the International Day for Women and in this respect, I support the sentiments of all the speakers except one or two who said that there is no other country in the world who has done this reservation. I support very much the speaker just preceding me that India must show the way. Is our own country India not called as `mother'? Is there any other country in the world where people are calling their own country as `mother'? Do we not sing Vande Mataram here? That is we hailed and we worship our mother. Vande Mataram -

माता जी को वन्दना करो।

Therefore Sir, this is a must and in this Session, the Bill which has been pending should be passed. Its remaining pending is an insult not only to women, our mothers but also to all of us in India.

Under these circumstances, Sir, I appeal to you that this must be brought in this House and passed without any debate because enough debate had already taken place. I support whole-heartedly each word of Shri Shivraj Patil. This is a norm which India believes in.

At this juncture, I would also like to point out the hostile discrimination that has taken place against women in Bengal. There are hundreds and thousands of educated women in Bengal. But you will be surprised to know that

a woman,* has been made as the Vice-Chancellor of the Calcutta University. ... (Interruptions)

DR. ASIM BALA (NABADWIP): Is it the forum to raise such things? ... (Interruptions)

----

* Expunged as ordered by the Chair

SHRI AJIT KUMAR PANJA : When there are hundreds of educated women in Bengal, why should there be such a hostile discrimination?*

... (Interruptions) It has come in the newspapers. There are so many educated women in Bengal. ... (Interruptions) The hostile discrimination against women in Bengal must be settled once and for all and this illegal thing must be stopped. ... (Interruptions)

SHRI HANNAN MOLLAH (ULUBERIA): What is this?

SHRI BASU DEB ACHARIA (BANKURA): How can he make such * comments? ... (Interruptions)

MR. DEPUTY-SPEAKER: It is such a sensitive subject that it has already taken more than one hour and twenty minutes. The hon. Minister has to react on this.

... (Interruptions)

SHRI AJIT KUMAR PANJA : There is a hostile discrimination against women in Bengal. This is not garbage. ... (Interruptions)

MR. DEPUTY-SPEAKER: Shri Hannan Mollah, do not interrupt me.

... (Interruptions)

MR. DEPUTY-SPEAKER: Please ask your Member not to behave like this. I have given the floor to Shri Fatmi.

... (Interruptions)

MR. DEPUTY-SPEAKER: Shri Basu Deb Acharia, I have called Shri Fatmi.

SHRI BASU DEB ACHARIA : Sir, I have given the notice.

MR. DEPUTY-SPEAKER: I told you that I would call you. Shri Basu Deb Acharia, I have called Shri Fatmi.

SHRI VARKALA RADHAKRISHNAN : I have also given the notice.

MR. DEPUTY-SPEAKER: I cannot call all of you together.

SHRI VARKALA RADHAKRISHNAN : You are not calling me. ... (Interruptions)

MR. DEPUTY-SPEAKER: What is going on here? I have given him the floor and I will come back to you.

----

* Expunged as ordered by the Chair.

श्री गंगा चरण राजपूत (हमीरपुर) (उ.प्र.) : उपाध्यक्ष महोदय, हमने भी नोटिस दिया है। हमे बोलने दीजिये।

श्री चन्द्रमणि त्रिपाठी (रीवा): उपाध्यक्ष महोदय, आप सब को बोलने दे रहे हैं, क्या हम लोगों को नही बोलने देंगे?

MR. DEPUTY-SPEAKER: I have not given you any promise.

... (Interruptions)

SHRI V. SATHIAMOORTHY (RAMANATHAPURAM): Sir, why are you not giving us any chance? AIADMK is also one of the parties in this House.

MR. DEPUTY-SPEAKER: You will get your chance, but this is not the way to behave. You should not just stand up and start shouting.

श्री मोहम्मद अली अशरफ फातमी (दरभंगा): उपाध्यक्ष महोदय, आपने मुझे बोलने के लिये समय दिया, उसके लिये धन्यवाद।

उपाध्यक्ष महोदय : आपको जल्दी समाप्त करना है क्योंकि

I will call the Minister now.

>

श्री मोहम्मद अली अशरफ फातमी : उपाध्यक्ष जी, मैं दो मिनट में खत्म कर दूंगा। आज इंटरनैशनल वुमैन डे पर महिलाओं को आगे बढ़ाने के लिये जो कदम उठाये जायेंगे, उसमें हम और हमारी पार्टी पूरा पूरा समर्थन देने का काम करेंगी। आज इंटरनैशनल वुमैन डे की अलग बात है और हिन्दुस्तान की महिलाओं का चैप्टर अलग है। जब इस सदन के अंदर महिलाओं के लिये रिजर्वेशन की बात होती है, उस समय बहुत सारी सामाजिक चीजों को पीछे छोड़ दिया जाता है। हमारा और हमारी पार्टी के लोगों का सीधा मानना है कि जब भी इस पर विचार हो तो इसमें शैडयूल्ड कास्टस एंड शैडयूल्ड ट्राइब्स और अदर बैकवर्ड क्लासेज का प्रा वधान हो।

उस वक्त निश्चित रूप से जो हिन्दुस्तान के अंदर २० प्रतिशत अल्पसंख्यक लोग बसते हैं, पहले उनके बारे में सोचा जाना चाहिए। इसलिए कि आज अगर आप नक्शा उठाइए लोक सभा का और आज़ादी के बाद से आज तक के आंकड़े उठाकर देखें तो जो मुसलमानों की १२ परसेंट आबादी है, उस हिसाब से आप देखिये कि कम से कम ६५ सांसद चुनकर इस लोक सभा में आने चाहिए लेकिन आज इस सदन के अंदर सिर्फ २७-२८ मेम्बर हैं। न जाने कितने राज्य ऐसे हैं जहां पर एक भी विधायक नहीं है। आप अगर रिज़र्वेशन विमेन्स का करते हैं तो हमारी मांग है कि उनकी आबादी के अनुपात में आरक्षण किया जाए, ५० परसेंट रिज़र्वेशन किया जाए। हम पाटिल जी से ऐग्री करते हैं कि उनको ५० परसेंट आरक्षण मिलना चाहिए जितनी उनकी आबादी है, लेकिन उसके अंदर जो ४३ प्रतिशत बैकवर्ड क्लासेज़ के लोग हैं, उनको आरक्षण मिलना चाहिए, जो २५ प्रतिशत शेडयूल्ड कास्टस और ट्राइब्ज़ के लोग हैं, उनको आरक्षण मिलना चाहिए और जो अल पसंख्यक और खास तौर से १२ प्रतिशत मुसलमान हैं, उस ५० प्रतिशत में उनकी महिलाओं को उतना हिस्सा मिलना चाहिए। तभी इस मुल्क के अंदर समान न्याय मुमकिन होगा और समाज के हर तबके के लोग इस सदन के अंदर पहुंच पाएंगे।

MR. DEPUTY-SPEAKER: The Minister may speak now.

... (व्यवधान)

MR. DEPUTY-SPEAKER: Shri Fatmi, please sit down.

... (व्यवधान)

MR. DEPUTY-SPEAKER: Nothing will go on record now.

(Interruptions)*

SHRI P.R. KUMARAMANGALAM: Mr. Deputy-Speaker, Sir, today is a very important day. ... (Interruptions)

श्री मोहन रावले (मुम्बई दक्षिण-मध्य) : हमें बोलने का मौका नहीं मिला है। हम शिव सेना की तरफ से राय रखना चाहते हैं। हमें भी बोलने दीजिए।

... (व्यवधान)

SHRI P.R. KUMARAMANGALAM: As rightly pointed out, it is being celebrated internationally as the Women's Day. ... (Interruptions)

श्री मोहन रावले (मुम्बई दक्षिण-मध्य) : हमें भी शिव सेना की तरफ से बोलने का मौका दीजिए।

... (व्यवधान)

SHRI P.R. KUMARAMANGALAM: It has been the Indian ethos and culture where we always treated our mothers and sisters as people who should not only be respected ... (Interruptions)

श्री मोहन रावले : मैं आपको रेक्वेस्ट कर रहा हूं, हमें भी बोलने का मौका दीजिए।

... (व्यवधान)

MR. DEPUTY-SPEAKER: Shri Rawale, please hear the Minister. If there is any question, you can ask later on. Please let him finish.

----

* Not Recorded.

SHRI P.R. KUMARAMANGALAM: Sir, I am sure I could not have been heard. I would repeat.

MR. DEPUTY-SPEAKER: Yes. I am also losing temper now.

SHRI P.R. KUMARAMANGALAM: Sir, today is a very important day, a day which is being celebrated by the world as the Women's Day. It is the International Women's Day. Not only now but historically, our ethos has been one where we respect women. Be they mothers, be they sisters, be they wives, we respect them in every capacity as not just equal but, in fact, more than equal. Empowerment of women in Indian ethos is a part of our culture, part of our history. We do believe that they should not only have a rightful place in the normal society outside, but that in all systems their voice should be heard and their authority should be visible.

Our Government has brought forth the Bill. I must say something after hearing the views of the House. I believe, and our Government does believe, that reservation for women as an affirmative action for seats in Parliament and legislatures is a very fundamental issue on which a consensus must evolve. I support Shrimati Geeta Mukherjee in what she has said. The Bill is pending in this House. I wish to assure the House that our Government is fully serious about ensuring that this Bill is adopted by the House. But, being a Constitutional Amendment and also being a matter of extreme importance, we need to have a consensus on this. This should not be done based on bickering or acrimony. We should develop a consensus. We are talking about women who are Goddesses, Devis, in our society. You cannot do it like this. You cannot bring it down to the level of acrimony and differences.

With regard to the issue of Bihar, I think, it is a little unfair. There are differences... (Interruptions)

PROF. P.J. KURIEN : Mr. Deputy-Speaker, Sir... (Interruptions)

SHRI P.R. KUMARAMANGALAM: I have not yielded, please... (Interruptions)...I have yielded already twice... (Interruptions)

PROF. P.J. KURIEN : With your permission... (Interruptions)

SHRI P.R. KUMARAMANGALAM: I have not yielded... (Interruptions)...Let me finish... (Interruptions)...This is not fair. I would not yield... (Interruptions)...I have not yielded... (Interruptions)

PROF. P.J. KURIEN : Mr. Deputy-Speaker, Sir... (Interruptions)

SHRI P.R. KUMARAMANGALAM: Sir, I have not yielded. If it goes on record, I will walk out. This is too much... (Interruptions)

MR. DEPUTY-SPEAKER: If he does not yield, how can you speak?

... (Interruptions)

PROF. P.J. KURIEN : I was trying, all the time, to put forward ... (Interruptions)

SHRI P.R. KUMARAMANGALAM: I have not yielded, Sir... (Interruptions)

PROF. P.J. KURIEN : When it is not heard, how can he reply?... (Interruptions)...All the time, I was trying to raise this issue... (Interruptions)

SHRI P.R. KUMARAMANGALAM: I do not understand... (Interruptions)

MR. DEPUTY-SPEAKER: The question is, he does not want to yield to you.

... (Interruptions)

SHRI P.R. KUMARAMANGALAM: I do not yield and he still goes on record.

MR. DEPUTY-SPEAKER: That cannot go on record.

(Interruptions)*

SHRI P.R. KUMARAMANGALAM: Is this the way the House is going to be run?... (Interruptions)...I will have to withdraw in protest. This is not the procedure being followed... (Interruptions)

PROF. P.J. KURIEN : Without hearing our views, how can he reply on that?... (Interruptions)

SHRI P.R. KUMARAMANGALAM: Sir, I am going to walk out... (Interruptions)

MR. DEPUTY-SPEAKER: Prof. Kurien, please!

... (Interruptions)

PROF. P.J. KURIEN : That is not the convention...(Interruptions)

SHRI AJIT JOGI : Sir, we are the main party in the Opposition... (Interruptions)

PROF. P.J. KURIEN : No, Sir. How can he say like this?... (Interruptions)...Sir, you allowed Members from every party from this side. I have been listening to them for about half an hour. But you have not allowed any Member from our side. This is not the way... (Interruptions)

MR. DEPUTY-SPEAKER: Prof. Kurien, please, for a minute!

... (Interruptions)

PROF. P.J. KURIEN : Sir, I need only justice... (Interruptions)

MR. DEPUTY-SPEAKER: Shri Basu Deb Acharia, please take your seat.

... (Interruptions)

PROF. P.J. KURIEN : Sir, I need justice. You give that... (Interruptions)

SHRI P.R. KUMARAMANGALAM: Every time, it is happening. This is not the way... (Interruptions)

MR. DEPUTY-SPEAKER: The question is about matters regarding women's reservation of 33 per cent. Now, with regard to Bihar, Shri Mulayam Singh Yadav, if I am correct, Shri Somnath Chatterjee and others have also spoken. ... (Interruptions)

PROF. P.J. KURIEN : We also wanted to raise this issue... (Interruptions)...I was also raising my hand. When you have allowed Members from other parties to refer to that, you should allow us also to raise it because we are the main Opposition party... (Interruptions)...Now, you are asking him to reply. That is not the correct thing... (Interruptions)

MAJOR GENERAL BHUVAN CHANDRA KHANDURI, AVSM : This is the behaviour of the opposition party! ... (Interruptions)

MR. DEPUTY-SPEAKER: Prof. Kurien, please!

... (Interruptions)

----

* Not Recorded.

SHRI P.R. KUMARAMANGALAM: Sir, I will withdraw from the House. I will withdraw as Parliamentary Affairs Minister... (Interruptions)...It is the worst possible thing... (Interruptions)

MAJOR GENERAL BHUVAN CHANDRA KHANDURI, AVSM Sir, when he is not yielding, why is he speaking?... (Interruptions)

SHRI P.R. KUMARAMANGALAM; I will not speak. I will withdraw from the House... (Interruptions)

SHRI AJIT JOGI : If you have a respect for the Parliamentary democracy, you must yield... (Interruptions)...That means, you do not respect the Parliamentary institution and you do not respect the democracy. You do not want to hear the main Opposition party... (Interruptions)...The Minister does not want to yield to the main party in the Opposition... (Interruptions)...He is our Chief Whip... (Interruptions)

श्री लालू प्रसाद : सर, हम लोग यहां किस लिए बैठे हैं, कोई कहता है मेरी सुनिये, कोई कहता है उसकी सुनिये। हमारी भी सुनिये।... (**Interruptions**)

DR. BIKRAM SARKAR (HOWRAH): Sir, we are also not given the opportunity to speak... (Interruptions)

SHRI P.R. KUMARAMANGALAM: Sir, can I have a word?... (Interruptions)...May I react to what Prof. Kurien has said?... (Interruptions)...Mr. Deputy-Speaker, Sir... (Interruptions)

PROF. P.J. KURIEN : Sir, you have given chance to all the parties to express their views except the main Opposition party... (Interruptions)

MR. DEPUTY-SPEAKER: Kindly hear him. Yes, Mr. Minister.

... (Interruptions)

SHRI P.R. KUMARAMANGALAM: I will not speak in the House if he does not want me to.I will not open my mouth if that is how we are going to be treated. It is better that I do not... (Interruptions)...I go off record now. I will not open my mouth... (Interruptions)

MR. DEPUTY-SPEAKER: After having made the statement by the hon. Home Minister with regard to Bihar...

... (Interruptions)

PROF. P.J. KURIEN : You have allowed every other party to express their views.

MR. DEPUTY-SPEAKER: I have only allowed to speak with respect to reservation of women.

... (Interruptions)

PROF. P.J. KURIEN : He is making a statement on Bihar without hearing us... (Interruptions)

MR. DEPUTY-SPEAKER: With regard to matters pertaining to Bihar...

... (Interruptions)

श्री लालू प्रसाद (मधेपुरा) : उपाध्यक्ष महोदय, राजो सिंह जी को अपनी जगह पर जाने के लिए कहिये।... (

Interruptions)

MR. DEPUTY-SPEAKER: You know the rule of this House that clarification is not sought on any statement made by the Home Minister or by any Minister. If any hon. Member has asked for any clarification on the statement of the hon. Minister, it is not to be given.

... (Interruptions)

MR. DEPUTY-SPEAKER: If any hon. Member has referred to Bihar, it is not a reference which seeks clarification on the statement of the hon. Minister.

PROF. P.J. KURIEN : You have quoted the rule that with regard to the statement of the hon. Minister, nobody can seek clarification. This rule is applicable to Ministers also. There is no separate rule for hon. Minister and others. You have allowed three hon. Members to raise the matter on Bihar. I am also speaking on Bihar.

MR. DEPUTY-SPEAKER: To make the record straight, I have not allowed anybody to seek clarification with regard to Bihar. Let me be clear about this.

... (Interruptions)

MR. DEPUTY-SPEAKER: I cannot allow any clarification to be asked with regard to Bihar. No clarification on Bihar can be given as per the rules of this House. Therefore, if anybody in his speech or in his reference is bringing Bihar issue, I am not responsible for that. The House cannot be responsible for that.

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF RAILWAYS, MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF PARLIAMENTARY AFFAIRS AND MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF PLANNING AND PROGRAMME IMPLEMENTATION (SHRI RAM NAIK): So, I suggest that whatever remarks have been made on Bihar, they should be deleted from the proceedings. Let it be sorted out properly. Whatever remarks have been made about Bihar by other hon. Members, if they are deleted, then it is all right. But if they are not deleted, the Government must have an opportunity to reply to them. They made remarks about Bihar while making reference to the Women's Bill or women's issue. So, the best course would be whatever remarks have been made about black day and all that, those remarks should be deleted and the matter would be over.

SHRI BASU DEB ACHARIA : How can it be?

SHRI RAM NAIK: That is why, the hon. Minister should have an opportunity to speak on that.

MR. DEPUTY-SPEAKER:If that is all, again other hon. Members will say that they want to refer to Bihar. Therefore, what I say is regarding clarification with regard to any statement made on the floor of the House on Bihar, this House is not entitled to seek any clarification.

SHRI RAM NAIK: My submission is those remarks have gone on record. If the remarks have gone on record, there is only one way out that those remarks should be deleted and the matter is over. Why should we speak on irrelevant issues? The issue is Women's Bill. Today is the International Women's Day. Whatever is spoken beyond that, should be deleted. The matter will be over. It is so simple.

श्री वीरेन्द्र सिंह : उपाध्यक्ष महोदय, मुझे एक बात कहनी है, और आपसे तथा इस सदन से कहनी है, ये कांग्रेस के चीफ व्हिप हैं, अभी सारी दुनिया का नेतृत्व करने का संदेश पूरे सदन को दे रहे थे। हमारे संसदीय कार्य मंत्री बोल रहे थे, ... (व्यवधान)

श्री लालू प्रसाद : पूरी दुनिया को संबोधित कर रहे थे।

... (व्यवधान)

श्री वीरेन्द्र सिंह : मुझे मत सिखाइए, मैं जानता हूं, वे बोल रहे थे, ... (व्यवधान)

श्री लालू प्रसाद : भोजपुरी में बोलिए।

श्री वीरेन्द्र सिंह : जो भाषा हमें आती है वह बोल रहे हैं। उपाध्यक्ष महोदय, अभी वे दुनिया का नेतृत्व करने का संदेश पूरे सदन को दे रहे थे। जब हमारे संसदीय कार्य मंत्री बोल रहे थे, वे संसद को चलाने की प्रक्रिया को जानने वाले और संसद को चलाने के लिए जिम्मेदार मंत्री हैं। मुझे नहीं मालूम कि ...। भगवान जाने।

... (व्यवधान)

MR. DEPUTY-SPEAKER: This is very bad. This is not the way.

श्री वीरेन्द्र सिंह : उपाध्यक्ष महोदय, मैं जब बोल रहा हूं, तो बड़ी जिम्मेदारी के साथ बोल रहा हूं। अगर आप इसे रिकार्ड में नहीं लाना चाहते हैं, तो न लाएं, लेकिन मेरा बोलने का अधिकार है, इसलिए मैं बोल रहा हूं। रिकार्ड में रखना या न रखना यह आपका दायित्व है, लेकिन मेरा अधिकार है कहना।

... (व्यवधान)

मेरा कहने का अधिकार है और उसे निकालना या रखना, यह आपका अधिकार है।

लालू प्रसाद : आपने जो बोलना है, उसे बोलिये।

श्री वीरेन्द्र सिंह : जब संसदीय कार्य मंत्री बोल रहे थे तब ये खड़े होकर ... (व्यवधान) मैं पीठ को कभी चुनौती नहीं देता हूं लेकिन मैं देखता हूं कि जब वे जिम्मेदारी से बोल रहे थे

... (व्यवधान)

मैं कह रहा था कि जिसकी मर्जी आती है, वह बिना किसी रूल के, बिना किसी व्यवस्था के खड़े हो जाते हैं।

... (व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदय : आप जो कह रहे हैं, वह किस रूल के अन्तर्गत कह रहे हैं? ... (व्यवधान)

----

* Expunged as ordered by the Chair.

SHRI P.R. KUMARAMANGALAM: Sir, I will never address the House. ... (Interruptions) I will not open my mouth in this House. ... (Interruptions) I am not given even the minimum respect. ... (Interruptions) I want to make it very clear.

डा. विजय सोनकर शास्त्री (सैदपुर): उपाध्यक्ष महोदय, हाउस का सम्मान होना चाहिए।

MAJOR GENERAL BHUVAN CHANDRA KHANDURI, AVSM : This is what I want to understand. ... (Interruptions) I want to understand under what rule he has been speaking. This is not fair. ... (Interruptions)

MR. DEPUTY-SPEAKER: He is making a statement. Please do not interrupt.

... (Interruptions)

SHRI P.R. KUMARAMANGALAM: I will not open my mouth in this House.

श्री वीरेन्द्र सिंह : मैं बताता हूं। आप मुझे पूछिये।

... (व्यवधान)

मैं यह कह रहा था कि आपकी पीठ से यह निर्देश आना चाहिए कि जब सरकार की तरफ से संसदीय कार्य मंत्री जिम्मेदारी के साथ बोल रहे हों, तो वह बात सुनी जानी चाहिए। ... (व्यवधान) बिना व्यवस्था के चलते उनको बोलने देने की छूट है तो मैं आपसे विनम्रतापूर्वक निवेदन करना चाहता हूं कि अगर संसदीय कार्य मंत्री को नहीं सुना जायेगा तो हम भी जानते हैं कि बहुत से लोगों को इस सदन में नहीं सुना जा सकता है और यह हो जायेगा।

... (व्यवधान)

मैं ठीक बात कह रहा हूं।

... (व्यवधान)

SHRI P.R. KUMARAMANGALAM : Will he permit me? Ask him, do not ask me. Will he permit me to speak in this House? I am sorry, Mr. Deputy-Speaker, Sir. I will not speak in this House unless Prof. P.J. Kurien, the Chief Whip of the Congress permits me to speak. If he does not permit, I will not speak. ... (Interruptions) I am extremely hurt. I am personally hurt. I am personally hurt. I go on record. I never expected this. ... (Interruptions)

श्री मोहम्मद अली अशरफ फातमी (दरभंगा): यह बार-बार हुआ है। प्रधान मंत्री तक यील्ड करते हैं।

... (व्यवधान)

SHRI CHANDRA SHEKHAR : Mr. Deputy-Speaker, Sir, generally, when the Minister of Parliamentary Affairs speaks, he should be heard with rapt attention because he is responsible to run the House, not only for the Government but also for the Opposition. If there was any point that my friend Prof. Kurien wanted to make, he should have made it earlier. Or, he could make it after the Minister of Parliamentary Affairs finishes his submission. I do not know why on all and every matter we quarrel in this House. Everybody has a right to have his opinion. It has been the practice in this House - as far as I know the Parliamentary tradition - that the Minister of Parliamentary Affairs is generally not interrupted. ... (Interruptions)

उपाध्यक्ष महोदय : आप शांत रहिये।

PROF. P.J. KURIEN : With due respect, I want to say that I have been raising my hand from the time the Bihar issue was raised to express my party's views. The hon. Deputy-Speaker, in his wisdom, did not call me. I have no complaint against that. But when I found that the Minister was going to react on the Bihar issue, I thought - and I am right, I feel - that my party's view should also be on record and he should know my party's view before he reacted. How can a Minister of Parliamentary Affairs react to Parliament, to Lok Sabha, without knowing the view of the main Opposition party? So, it is my right to ask for his indulgence but that was not given.

Shri Chandra Shekhar was a Prime Minister. I have been in this House for twenty years. I have seen Prime Ministers, including Shrimati Indira Gandhi, Shri Rajiv Gandhi and yourself - he was a Prime Minister with

Congress support - yielding to ordinary Members a number of times.

I have seen, even Prime Ministers yielding to hon. Members. When the matter raised is reasonable, it is the duty and courtesy of the Minister to yield. If he does not want to yield, I have no complaint. But without knowing the views of the main Opposition Party if he wants to make a statement on Bihar, what kind of a democracy is this? This is the reason why you are in this stage now. That is why, you have to withdraw what is adopted here. You ignored the Opposition. You do not know how to run the Government. You do not want to listen to our views also.

If he does not want to yield, I also do not want to say anything. But I have also been in this House for 20 years and I know what are the precedents in this House. ... (Interruptions)

SHRI P.R. KUMARAMANGALAM: Mr. Deputy-Speaker, Sir, may I request the hon. Chief Whip of the Opposition to present his views?

I was not going to make a statement on Bihar. I would clarify that and I was, in fact, going to say something else. Anyway, my only request is this. I have said this last time also. We are all friends; Prof. P.J. Kurien and myself worked together in Opposition Party and in Ruling Party also.

MR. DEPUTY-SPEAKER: I have also worked with you.

SHRI P.R. KUMARAMANGALAM: I would only request him, through you, Sir, that if he feels that he should intervene every time, then let us have an understanding. I have no problem. I will sit down every time I see him jump up a bit. In fact, in future, I will ask him whether I could stand up. It is a different question.

The point is when I am in the middle of a sentence if somebody stands up, it does disturb.

SHRI AJIT JOGI : Is he `somebody'?

SHRI P.R. KUMARAMANGALAM: If you want me to call him `leader', I will.

The issue is that we must have a certain amount of understanding. I will request that let me be given that understanding. If not, it would be advisable that I keep my silence. It would be advisable and I do not mind. If that is how the Chief Whip wishes to have it, I do not mind. Now, I am yielding to him; let him say what he thinks right.

PROF. P.J. KURIEN : Sir, as the hon. Minister has said, I have nothing personal against him. I never thought that Bihar issue is going to be raised.

श्री प्रभुनाथ सिंह : सिर्फ इधर और उधर सुनते रहिए, इधर मत सुनिए। ... (व्यवधान)

... (Interruptions)